an>

Title: Need to enhance the honorarium of Aanganwadi workers and also increase the budget allocation for nutritional foods and better basic facilities in Aanganwadi centres.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी सहायिका द्वारा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दिया जा रहा है। वे विषम परिस्थिति में काम करती हैं। इनके कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे लगने वाले रचनात्मक कार्यों का बड़ा असर समाज एवं राष्ट्र के निर्माण पर पड़ता है। भारत सरकार द्वारा 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण एवं शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से समेकित बाल विकास परियोजना अर्थात् आंगनबाड़ी योजना का आरम्भ किया गया। मेरे गृह राज्य बिहार सहित पूरे देश में लाखों महिलाएं आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं अपने पद के माध्यम से बच्चों की देखभाल एवं उनकी सेवा का सराहनीय काम कर रही हैं। परन्तु उसक एवज में उन्हें उचित मानदेय नहीं मिल रहा है। योजना की शुरुआत में काफी कम मानदेय मिला, पर सेविका एवं सहायिकाओं की बहाली की गई जिसमें कुछ बढ़ोत्तरी भी हुई है जिसके तहत सेविका को 3000 रू. एवं सहायिका को 1500 रू. प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है जो महंगाई के इस समय में नाकाफी है। इसके लिए सेविकाएं एवं सहायिकाएं पूरे देश में आन्दोलन कर रही हैं।

अतः अनुरोध है कि महंगाई को देखते हुए आंगनबाड़ी में कार्यरत सेविका एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोत्तरी की जाए तथा पोषाहार की गुणवत्ता एवं उसके आवंटन की प्रक्रिया में सुधार के साथ आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने के लिए इस योजना के लिए आवंटन बढ़ाया जाए।